

कुल्लू-लाहौल-स्पीति

एमसीएच कुल्लू में सुविधाएं अपार, स्टाफ की दरकार

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड कुल्लू में डेढ़ साल बाद भी चिकित्सकों व पैदा-मेडिकल स्टाफ की कमी

कमलेश वर्मा, कुल्लू

12.95 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 100 बिस्तर की क्षमता वाले व आधुनिक सुविधाओं से लैस मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड के नए भवन में सुविधाएं तो बहुत हैं, लेकिन स्टाफ की दरकार है।

जून 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड भवन का लोकार्पण किया था। उद्घाटन के बाद यह चिकित्सकों के पद सूचित नहीं किए गए थे। इस कारण भवन के उद्घाटन के डेढ़ साल बाद भी जच्चा-बच्चा को यहां पर पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही है। वर्तमान में क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के गायनी और शिशु रोग विशेषज्ञों के सहाये मातृ एवं शिशु खंड चलाया जा रहा है। लिहाजा, प्रदेश सरकार ने क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में पिछले लंबे समय से खाली चाल रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों के खाली पदों को जहां भरकर जहां जनना को गाहत दी है वहां, अब एमसीएच में अंतरिक्ष स्टाफ की कमी के कारण जच्चा-बच्चा को पूरी सुविधा नहीं मिलने से एक और असम्भव शुरू हो गई है।



क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के साथ ही बना नया मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड भवन।

150 ओपीडी होती है प्रतिदिन

मातृ एवं शिशु खंड में पिछले डेढ़ साल से बच्चों का ओपीडी में उपचार किया जा रहा है। गायनी ओपीडी में भी ओपीडी होती है। गायनी ओपीडी में भी औसतन 150 महिलाएं उपचार करवाने आती हैं। गायनी महिलाओं के प्रसव के साथ उन्हें अन्य सुविधाएं इसी भवन में दी जाती है।

एमसीएच में खाली पदों की संख्या

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड कुल्लू में गायनी विशेषज्ञ-दो, शिशु-ऐम्योटिसिया-एक, रेडियोलोजिस्ट-एक, मेडिकल ऑफिसर-आठ, मेट्रो-एक, वार्ड सिस्टर-एक, स्टाफ नर्स-15, रेडियोलोजिस्ट-एक, लैब तकनीशियन-चार, ऑपेशन थिएटर अमिस्टेट्र-एक, पार्मासिस्ट-चार, डाटा एंट्री ऑपरेटर-एक, एप्लायम-चार, चतुर्थ श्रीम-चारी-पांच, वार्ड वॉच-चार, सिक्युरिटी गार्ड-छह सहित अन्य 12 पद भरने हैं।

वेतन न मिलने से रुष्ट बिजली कर्मियों ने की बैठक

अनंत ज्ञान, आनी

वेतन और पेंशन न मिलने से रुष्ट विद्युत मंडल आनी के कर्मियों ने विद्युत संयुक्त संवर्धन मोर्चा के आहान पर मंगलवार को पेंशनधारकों की बैठक खोली। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य खंड के नए भवन में संपन्न हुई। इस बैठक में नई कार्यकारीणों का गठन किया गया। जिसमें इसमें नवल ठाकुर को एक बाप रिपोर्टर से पेंशन फोरम आनी इकाई अध्यक्ष चुना गया, जबकि भोपाल वर्मा, पूर्ण शर्मा को प्रायोगिक शेरूप से एक बैठक को संचाच, ज्ञान एवं राम ठाकुर को कामायक बनाया गया।

इस बैठक में मेहमान व्यूहिक यूनियन के प्रदेश मुख्य संसाधन विभाग शेरूप से उपस्थित रहे। पेंशनधारकों ने सरकार का



बैठक में उपस्थित बिजली कर्मचारी।

विरोध जतारे हुए कहा कि सबसे कमाऊ विभाग के 52 वर्षीयों के जिवाहस में वह यहली बार है कि महिने की पहली तारीख को मिलने वाले पेंशन और वेतन का नौ तारीख नीति का परिणाम हो। उन्होंने चेताया कि यदि उनकी मांग की गई है तो 11 संकेतों सदस्यों ने सरकार एवं अधिकारी निर्देशक डॉक्टर हरिकेश मीना,

मनाली में अब कम वोल्टेज की समस्या से मिलेगा छुटकारा : गौड़

अनंत ज्ञान, मनाली

मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने कहा है कि पर्यटन नगरी में अब लोगों व पर्यटकों को कम वोल्टेज की समस्या का समान नहीं करना पड़ेगा। मनाली में पत्रकर्ताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि कार्निवाल के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए थे कि मीणी में बन रहे 10 करोड़ के सब स्टेशन को जल्द तैयार किया जाए।

पर्यटकों को अब हीरी की बैठक व्यवस्था मिलेगी जिससे ठंड का समान नहीं करना पड़ेगा। कट नहीं होती थी लेकिन अब प्रीग्री सबलोंगों और 24 घण्टे बिजली की आपूर्ति होगी। इसके लिए विधायक ने सीएम का आभासी विधायक के बाने करते हुए सबसे बड़ी 385 करोड़ की सिवरेज योजना शुरू हो चुकी है जिससे मनाली के लिए बिजली की आपूर्ति होगी। इसके लिए विधायक ने कहा कि पिछली योजना शुरू हो चुकी है जिससे मनाली के क्षेत्रों में भी धरातल पर उत्तराधारी वार्ड की आपूर्ति होगी। गोड़ ने कहा कि विधायक ने लोगों के लिए एक बड़ी योजना शुरू कर दिया है। नई स्कीमों को भी शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री के मार्ग दर्शन व आशीर्वाद से मनाली ने विकास की गाह पकड़ ली है और क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।



मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ पत्रकार गार्ता को संबोधित करते हुए।

► विद्युत बोर्ड प्रीणी में बन रहे सब-स्टेशन को जल्द तैयार करने के लिए निर्देश

पर्यटकों को अब हीरी की बैठक व्यवस्था मिलेगी जिससे ठंड का समान नहीं करना पड़ेगा। कट नहीं होती थी लेकिन अब प्रीग्री सबलोंगों और 24 घण्टे बिजली की आपूर्ति होगी। इसके लिए विधायक ने कहा कि पिछली योजना शुरू हो चुकी है जिससे मनाली के क्षेत्रों में भी धरातल पर उत्तराधारी वार्ड की आपूर्ति होगी। गोड़ ने कहा कि विधायक ने लोगों के लिए एक बड़ी योजना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री के मार्ग दर्शन व आशीर्वाद से मनाली ने विकास की गाह पकड़ ली है और क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

ऐसे में इस दौरान सिस्पू हैलीपैड में पर्यटक वाहनों की पार्किंग की भूमि शुरू होगी।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

वहां से हो जाने वाले दोनों वाहनों के बीच रात रात घोर रहे।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

वहां से हो जाने वाले दोनों वाहनों के बीच रात रात घोर रहे।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गतिविधियों नहीं करने का निर्णय लिया गया।

घाटी में शोर-शराब का न हो और धार्मिक कारज में खलाल न पड़े, इसलिए सिस्पू हैलीपैड में 15 जनवरी से 28 फरवरी तक पर्यटन गत

शांघड़ में माना जाता है देवता शंगचूल का कानून

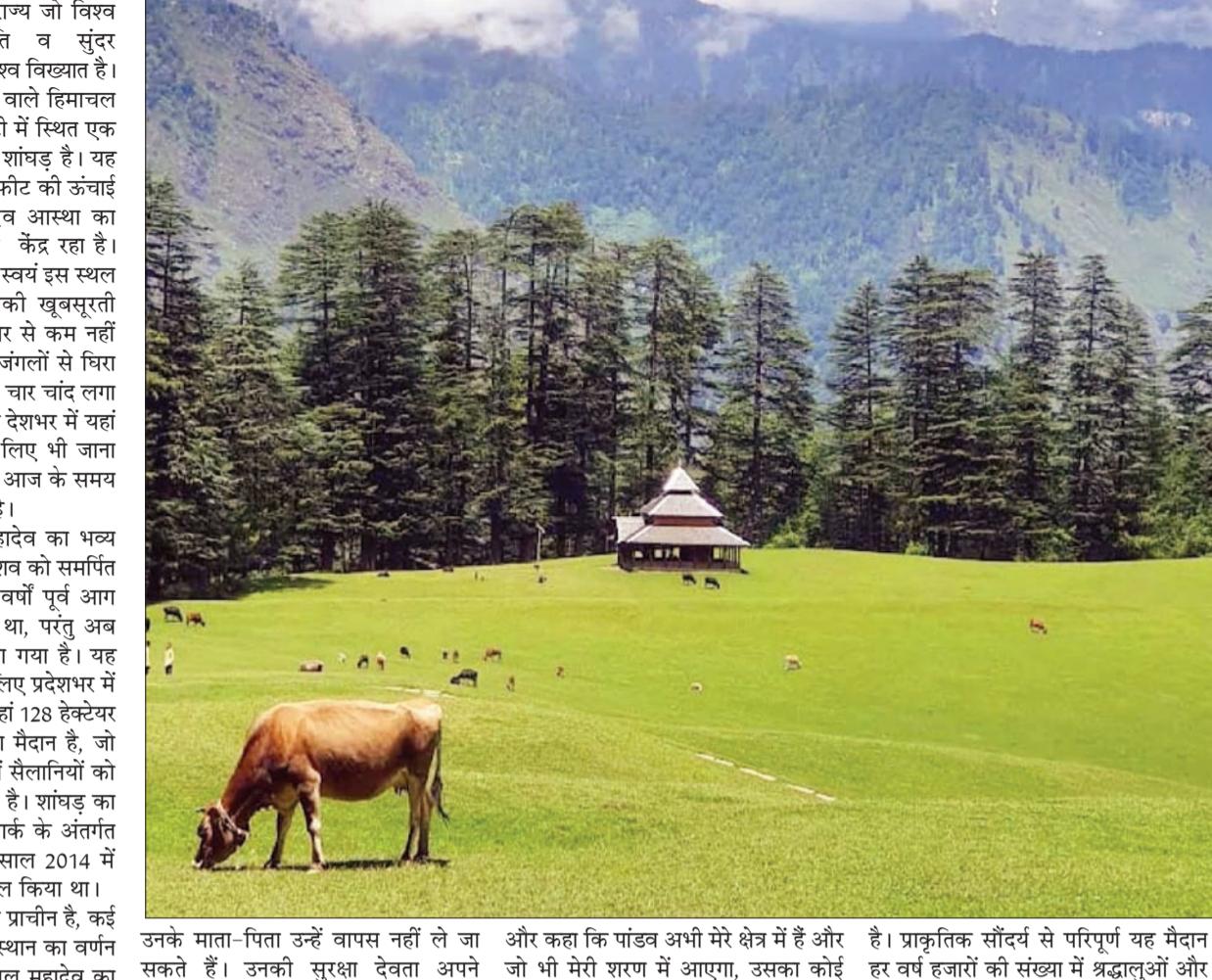


लेखक

जितेंद्र कुमार सेठी, बंजार कुल्लू
ताकुर दीक्षित धलारिया संधोल, मंडी

शांघड़ का इतिहास काफी प्राचीन है, कई प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में इस स्थान का वर्णन मिलता है। यहाँ देवता शंगचूल महादेव का प्राचीन मंदिर है, जिनका इतिहास तथ्यों से भरपूर हरा है। एक जनश्रुति के अनुसार देवता शंगचूल महादेव हिमालय का भूमण करते हुए जब इस स्थान पर पहुंचे, तो वह यहाँ के प्राकृतिक सौर्दृश्य से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने यहाँ रहने का निश्चय किया। शंगचूल महादेव को स्थानीय बोली में देखो शांघड़ नाम से जाना जाता है।

इस स्थान पर देवता शंगचूल महादेव के कुछ अपने कानून बलते हैं। उदाहरण स्वरूप यैसे यहाँ स्थित 128 बीधा का विशाल घास का नैदान है, जहाँ कोई नी पुलिस कर्मी वर्टी पहनकर प्रवेश नहीं कर सकता है, यदि कोई अपराधी बाहर से आकर इस क्षेत्र में आ जाए, तो पुलिस अमुक द्वितीय को हथकड़ी नहीं पहना सकती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यदि कोई प्रेमी जोड़ा भागकर देवता शंगचूल महादेव जी के स्थान पर आ जाए, तो उनकी इच्छा के बारे में यहाँ स्थित बन रही है। मौसम विभाग की मानें तो हिमाचल में बारिश और बर्फबारी न होने से प्रदेश में सूखा पड़ा हुआ है।



हिमाचल प्रदेश एक ऐसा राज्य जो विश्व पर्यटन पर देव संस्कृति के सुन्दर प्राकृतिक वादियों के लिए विश्व विख्यात है। देवताओं की भूमि कहे जाने वाले हिमाचल के कुल्लू जिले की सेंज घाटी में स्थित एक प्रसिद्ध धार्मिक पर्वतन स्थल शांघड़ है। यह समुद्र तल से लगभग 7000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यह स्थान देव आस्था का प्राचीन समय से एक प्रमुख केंद्र रहा है। खूबसूरती ऐसी मानों इश्वर ने स्वयं इस स्थल का निर्माण किया हो। इसकी खूबसूरती मशहूर पर्वतन स्थल खजियर से कम नहीं है। यह क्षेत्र देवदार के बचे जगतों से चिरा हुआ है, जो इसकी सुन्दरता में चार चांद लगा देते हैं। इसके अलावा शांघड़ देशभर में यहाँ विद्यमान जैव विविधता के लिए भी जाना जाता है। पर्यटन की दृष्टि से आज के समय में यह क्षेत्र अति महत्वपूर्ण है।

यहाँ प्रसिद्ध शंगचूल महादेव का भव्य मंदिर स्थित है, जो भावान शिव को समर्पित है। यह प्राचीन मंदिर कुछ वर्षों पूर्व आग लगाने से क्षतिग्रस्त हो गया था, परंतु अब इसका पुनर्निर्माण कर लिया गया है। यह मंदिर अपनी काष कला के लिए अद्वितीय में विख्यात है। इसके अलावा यहाँ 128 हेक्टेयर भूमि में फैला हुआ घास का मैदान है, जो हर साल हजारों की संख्या में सलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। शांघड़ का क्षेत्र ग्रेड हिमालय नेशनल पार्क के अंतर्गत आता है, जिसे यूनेस्को ने साल 2014 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया था।

शांघड़ का इतिहास काफी प्राचीन है, कई प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में इस स्थान का वर्णन मिलता है। यहाँ देवता शंगचूल महादेव का प्राचीन मंदिर है, जिनका इतिहास तथ्यों से भरपूर हरा है। एक जनश्रुति के अनुसार देवता शंगचूल महादेव हिमालय का भूमण करते हुए जब इस स्थान पर पहुंचे, तो वह यहाँ के प्राकृतिक सौर्दृश्य से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने यहाँ रहने का निश्चय किया। शंगचूल महादेव को स्थानीय बोली में देखो शांघड़ नाम से जाना जाता है। इस स्थान पर महादेव के कुछ अपने कानून बलते हैं। उनकी इच्छा की ओर से गर्म हवा आने पर पश्चिमी विशेष सक्रिय होता है। इस बार उनकी इच्छा की ओर से गर्म हवा आने पर पश्चिमी विशेष सक्रिय होता है।

ओर कहा कि पांडव अभी मेरे क्षेत्र में हैं और जो भी मेरी शरण में आएगा, उसका कोई कुछ नहीं बिगड़ सकता। इसके अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के कई नए अवसर खुल चुके हैं। प्राकृतिक सौर्दृश्य संस्कृति पर्वतन का एक प्रमुख केंद्र है। इस क्षेत्र के बाद रहा है। पर्यटन का एक अद्वितीय विश्व विरासत सूची में शामिल किया था।

उनके माता-पिता उन्हें वापस नहीं ले जा सकते हैं। उनकी सुरक्षा देवता अपने पुजारियों के माध्यम से करते हैं। देवता के इस पवित्र स्थान पर मंदिरापान, ऊँची आवाज में चिल्लाना और स्पीकर आदि वज्रना पूर्ण रूप से वर्जित हैं। उल्लंघन करने वालों पर मंदिर कर्मी की ओर से जुर्माना लगाया जाता है।

इस मैदान में आपको एक भी पत्थर का टुकड़ा प्राप्त नहीं होगा। इस बारे में लोगों का कहना है कि महाभारत काल में अज्ञातवास के द्वारा पांडव यहाँ देवता शंगचूल महादेव के कुछ अपने कानून चलते हैं। उन्होंने धान उगाने के लिए चिल्लान पांडव के चारों तरफ पत्थर के शिलाएं पांडवों ने ही हड्डी की थीं, ताकि कोई दानववत्ति इस मैदान में कदम न रख सके। स्थानीय लोगों के अनुसार जब पांडव अपनी विशेषता को देखकर नहीं पहना सकती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यदि कोई प्रेमी जोड़ा भागकर देवता शंगचूल महादेव जी के स्थान पर आ जाए, तो उनकी इच्छा के बारे में यहाँ रहने का निश्चय किया। शंगचूल महादेव को स्थानीय बोलों में देखो शांघड़ नाम से जाना जाता है। इस स्थान पर महादेव का यथार्थ बोल वालों के बारे में लोगों का धाराजा है। इस बारे में लोगों का धाराजा है। इस स्थान पर महादेव के कुछ अपने कानून चलते हैं। उन्होंने धान उगाने के लिए चिल्लान पांडव के चारों तरफ पत्थर के शिलाएं पांडवों ने ही हड्डी की थीं, ताकि कोई दानववत्ति इस मैदान में कदम न रख सके। स्थानीय लोगों के अनुसार जब पांडव अपनी विशेषता को देखकर नहीं पहना सकती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यदि कोई प्रेमी जोड़ा भागकर देवता शंगचूल महादेव जी के स्थान पर आ जाए, तो उनकी इच्छा के बारे में यहाँ रहने का निश्चय किया। शंगचूल महादेव ने साल 2014 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया था।

26

खिलाड़ियों

को अर्जुन

05

कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार

ARJUNA AWARD

क्रिकेट में मोहम्मद शामी शूटिंग में ऐरवर्य प्रताप को अर्जुन अवॉर्ड

सातिविक और चिराग को खेल रत्न अवॉर्ड



राष्ट्रपति भवन में मंगलवार वी जनवरी को राष्ट्रपति भवन खेल पुरस्कार दिया गया। इसमें 5 कोषों को द्रोणाचार्य तो 26 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। 3 लोगों को लाइफ टाइम समान से बनाजा गया। सबसे पहले कोच को द्रोणाचार्य, फिर लाइफ टाइम और इसके बाद खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया गया। क्रिकेट बनेवर्कर कप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फास्ट बॉलर मोहम्मद शामी को अर्जुन पुरस्कार दिया गया। बैडिंगटन की स्टार जोड़ी सातिविक साईरज और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यान घंटे खेल रत्न पुरस्कार दिया गया।

मेरा लक्ष्य जहां तक संभव हो खुद को फिट रखना : शमी

टखने की चोट से उबर हो शमी समान हासिल करने के लिए समारोह में जोड़ थे। उहोने पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में सात मैच में 24 विकेट चटाए थे और भारत को फाइनल में जाह दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। शमी ने सोमवार रात को खेल मंत्रालय द्वारा इस साल के शारीरिक खेल पुरस्कार विजेताओं के लिए आयोजित समारोह के दौरान 'पीटीआई' से कहा कि मेरा लक्ष्य जहां तक संभव हो खुद को फिट रखना है, क्योंकि अपाले दो ट्रॉफी और शूखलाएं बड़ी हैं। मैं फिटनेस पर ध्यान दूंगा।

द्रोणाचार्य भवन में समारोह में 26 खिलाड़ियों और पैरा

खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाँकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आम तौर पर 29 अगस्त को होने वाले खेल पुरस्कार समारोह को पिछले साल 23 सितंबर से अठ अक्टूबर तक हुए हाँगोड़ एशियाई खेलों के कारण स्थगित कर दिया गया था।

राष्ट्रपति भवन में समारोह में 26 खिलाड़ियों और पैरा

खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाँकी में शतरंज ग्रैंडमास्टर बनों आर वेशाली को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह स्टार ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद को पिछले साल 23 सितंबर से अठ अक्टूबर तक हुए हाँगोड़ एशियाई खेलों के कारण स्थगित कर दिया गया था।

हाँकी हमीं और द्रोणाचार्यली हरिका के बाद ग्रैंडमास्टर बनने वाली वैशाली देश की तीसरी महिला खिलाड़ी हैं।

युवा स्टार पिस्टल निशानेबाज 19 वर्षीय ईशा सिंह भी

जकार्ता में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्से लेने के

कारण समारोह के लिए नहीं पहुंच सकी। उहोने सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल सम्मान में व्यक्तिगत और टीम स्वर्ण जीतकार पैरिंग के लिए बालीपाई को लिए क्वालीफाई किया।

इस वर्ष अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए अन्य दिग्गज खिलाड़ियों में पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन और पिछले साल सीनियर चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता पहलवान अंतिम पंचाल, पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य विजेता मुकेबाज मोहम्मद हुसामुन और पैरा तीरंदाज शीतल देवी शामिल थे। हाँगोड़ एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने

वाली शीतल के फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ शिथि के कारण दोनों हाथ नहीं हैं और वह दोनों हाथों के बिना तीरंदाजी करने वाली पहली अंतर्राष्ट्रीय पैरा तीरंदाज है। इस वर्ष द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं में शतरंज कोच आरबी रमेश भी शामिल हैं, जिहोने प्रज्ञानानंद को तैयार किया है।

दुनिया की नंबर वन जोड़ी के लिए 2023 रहा शानदार

बैडिंगटन खिलाड़ियों चिराग शेट्टी और सालिकसाईरज रंकिंगड़ी को 2023 में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद के लिए चुना गया। उहोने 2023 में एशियाई खेलों में अपना और बैडिंगटन में देश का फहला स्टर्ण पदक जीता। इसके अलावा एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी जीता। यह पुरुष जोड़ी वर्तमान में मूलेश्वरी ओपन सुपर 1000 में खेल रही है और इंटरलाइट समारोह में शामिल नहीं हैं। पिछले साल दुनिया की नंबर एक जोड़ी बनने वाले नियम और सालिक की नजरें पेसिस ओलंपिक पर टिकी हैं। फिलहाल दुसरी विश्व रैंकिंग पर काबिज इस जोड़ी का इस साल होने वाले पेसिस खेलों के लिए बालीपाई करना लगभग तय है।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)

ललित कुमार (कुर्सी), आरबी स्पेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सेनेन (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हाँकी), गणेश प्रभाकर देवरुखर (मल्टीखेल)।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत श्रेणी)

जसकीर सिंह ग्रेवाल (गोल्फ), भास्करन ई (कबड़ी), जयंत कुमार पुरीशाल (टेबल टेनिस)।

जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

मंजुषा कंवर (बैडिंगटन), विनोद कुमार शर्मा (हाँकी), कविता सल्वराज (कबड़ी)।

शीतल देवी ने पिछले साल अवूत्तर में अपने पहले एशियन पैरा गेम्स में रिकॉर्ड तीन पदक जीते। अधिकृत युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो गोल्ड मेडल और महिला युगल कंपांड में एक सिल्वर मेडल शामिल था।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)

ललित कुमार (कुर्सी), आरबी स्पेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सेनेन (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हाँकी), गणेश प्रभाकर देवरुखर (मल्टीखेल)।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत श्रेणी)

जसकीर सिंह ग्रेवाल (गोल्फ), भास्करन ई (कबड़ी), जयंत कुमार पुरीशाल (टेबल टेनिस)।

जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

मंजुषा कंवर (बैडिंगटन), विनोद कुमार शर्मा (हाँकी), कविता सल्वराज (कबड़ी)।

शीतल देवी ने पिछले साल अवूत्तर में अपने पहले एशियन पैरा गेम्स में रिकॉर्ड तीन पदक जीते। अधिकृत युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो गोल्ड मेडल और महिला युगल कंपांड में एक सिल्वर मेडल शामिल था।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)

ललित कुमार (कुर्सी), आरबी स्पेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सेनेन (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हाँकी), गणेश प्रभाकर देवरुखर (मल्टीखेल)।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत श्रेणी)

जसकीर सिंह ग्रेवाल (गोल्फ), भास्करन ई (कबड़ी), जयंत कुमार पुरीशाल (टेबल टेनिस)।

जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

मंजुषा कंवर (बैडिंगटन), विनोद कुमार शर्मा (हाँकी), कविता सल्वराज (कबड़ी)।

शीतल देवी ने पिछले साल अवूत्तर में अपने पहले एशियन पैरा गेम्स में रिकॉर्ड तीन पदक जीते। अधिकृत युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो गोल्ड मेडल और महिला युगल कंपांड में एक सिल्वर मेडल शामिल था।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)

ललित कुमार (कुर्सी), आरबी स्पेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सेनेन (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हाँकी), गणेश प्रभाकर देवरुखर (मल्टीखेल)।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवन पर्यंत श्रेणी)

जसकीर सिंह ग्रेवाल (गोल्फ), भास्करन ई (कबड़ी), जयंत कुमार पुरीशाल (टेबल टेनिस)।

जीवन पर्यंत उपलब्धि के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

मंजुषा कंवर (बैडिंगटन), विनोद कुमार शर्मा (हाँकी), कविता सल्वराज (कबड़ी)।

शीतल देवी ने पिछले साल अवूत्तर में अपने पहले एशियन पैरा गेम्स में रिकॉर्ड तीन पदक जीते। अधिकृत युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो गोल्ड मेडल और महिला युगल कंपांड में एक सिल्वर मेडल शामिल था।

उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)

ललित कुमार (कुर्सी), आरबी स्पेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सेनेन (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हाँकी),

अरब सागर में पहुंचे भारत के 10 युद्धपोत

एंजेसी, नई दिल्ली



भारत ने अरब सागर में समुद्री निगरानी बढ़ा दी है। भारतीय नौसेना ने समुद्री डाकुओं और अपहरण की घटनाओं के देखे हुए यहां दस युद्धपोत तैनात किए हैं। नौसेना ने दस दिनों के भीतर यहां युद्धपोतों की संख्या दोगुनी कर दी है।

बॉरिंग पर नौवी के हेलिकॉप्टर भी तैनात किए गए हैं। अरब सागर में समुद्री डाकुओं द्वारा किए गए हाल के हमलों को ध्यान में रखते हुए, बीते दिनों भारतीय नौसेना ने यहां गाइडेंड मिसाइल विघ्यक्षक आईएनएस मोरसुआओं, आईएनएस कोलकाता की चिंच और आईएनएस कोलकाता

सागर में गश्त शुरू की है। दरअसल हाल ही में हूठी विद्रोहियों ने पाकिस्तान जाने वाले एक मालवाहक समुद्री जहाज पर मिसाइल से हमला किया था। इस समुद्री जहाज की कंपनी का कहना था कि किंग अब्दुल्ला पोर्ट, सऊदी अरब से कराची के रास्ते में उसके हाल जर पर हुए हमला हुआ था।

पाकिस्तानी नौसेना का कहना है कि इस दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2018 दिल्ली जैत नियमों के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया, इसमें परिवर्तन के सदस्यों, रिश्तेदारों, दासों और कानूनी सलाहकारों द्वारा कैदी से मिलने की संख्या की सीमा को गई है।

याचिका वेला एम. प्रिवेटी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने उठाए गए मुद्दे को नीतिगत मामला बताते हुए कहा कि वह पिछले साल फरवरी में पारित दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छक नहीं हैं। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कुल दौरे की संख्या को साहा में दो बार सीमित करना पूरी तरह से मनमाना नहीं कहा जा सकता है।

तैनात किए थे। भारत के इस कदम के बाद अब पाकिस्तान ने भी अरब सागर में अपने युद्धपोत तैनात किए हैं। पाकिस्तानी नौसेना का कहना है कि इस हमले में जहाज पर उस पर सवार किसी व्यक्ति को क्षति नहीं पहुंची। वहीं बीते सप्ताह समुद्री डाकुओं ने लाइबेरिया के ध्वज वाले बल्कि कैरियर एम्बली लीला नॉफ़क को हाईजैक करने की कोर्टीन की थी।

तैनात किए थे। भारत के इस कदम के बाद अब पाकिस्तान ने भी अरब सागर में अपने युद्धपोत तैनात किए हैं। पाकिस्तानी नौसेना का कहना है कि इस हमले में जहाज पर हुए हमला हुआ था। इस पर सवार किसी व्यक्ति को क्षति नहीं पहुंची। वहीं बीते सप्ताह समुद्री डाकुओं की सीमा को गई है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से श्रीराम के प्रसाद के लिए पांच मन मेवायुक्त दिव्य लड्डुओं का भोग होगा रवाना

मथुरा। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले

लड्डुओं का भोग रवाना किया जाएगा, जो विभिन्न शहरों के रास्ते होते हुए अयोध्या

पहुंचेंगे। साथ ही बताया कि जिस

समारोह अयोध्या में मनाया

जाएगा तो वहीं जन्म स्थान

परिसर में भी सुबह नौ बजे

से खीर-हल्वा-पूरी प्रसाद

का वितरण

किया जाएगा। एवं

बजे से भगवान श्री

राम की दिव्य अरती

और दो बजे से लीला मंच

पर भजन

देंगे तो वहीं श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के

अवसर पर जन्म स्थान परिसर में भव्य

व्यवस्थाएं की जाएंगी एवं मकर संकर्ता के

दिन श्री कृष्ण जन्म स्थान

में अयोध्या के लिए

उच्च एवं सदस्य गोपेश्वर चतुर्वेदी नौ दो।

उड़ोने से बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह वाले

दिन पहली बार भगवान रथ भवन रथ उत्सव के दिव्य

धनुष बना रहे हैं। यह धनुष दर्शन में सुन्दर व अलौकिक होता।

यह धनुष 20 वर्ष की आयु में राम का धनुष कैसा रहा होगा

यह कल्पना कर बनाना जा रहा है। यह धनुष एक वर्ष बहुत जारी रहेगा। यह धनुष दर्शन से लीला मंच के जगह वार्षिक धनुष का गर्भहृषि प्रसाद के लिए आयोध्या में होने वाले एक जारी रहेगा। यह धनुष देखने में विश्वाल होगा लेकिन दो लोग इसे उत्तरकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर रख सकते हैं।